

भारतीय कंपनियों का आपत्तिजनक बयान

भारतीयों के लिए नहीं बनाई कैंसर की दवा

एजेंसी: नई दिल्ली

कैंसर की दवा बनाने वाली कंपनी बेयर फार्मा के सीईओ ने आपत्तिजनक बयान दिया है। मारिजिन डेक्करर्स के मुताबिक नेक्सावर दवा को पश्चिमी देशों के उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया था, जो इसे खरीद सकते हैं। इसे भारतीयों के लिए नहीं बनाया गया। मारिजिन ने ये बयान पिछले माह एक मेडिकल फोरम में दिया था। जिसे बिजनेसवीक पत्रिका ने हालिया संस्करण में प्रकाशित किया है। अंतरराष्ट्रीय संगठन मेडिसिंस सांस फ्रंटियर्स ने मारिजिन के बयान की निंदा की है। इसके बाद मारिजिन ने कहा कि उन्होंने भारतीय पेटेंट बोर्ड के निर्णय को लेकर फौरी तौर पर यह टिप्पणी की थी।

हम चाहते हैं कि सभी लोगों को मेडिकल साइंस की तरक्की का फायदा मिलना चाहिए। मैं भारतीय बोर्ड के कदम से हताश हो गया था। संगठन के मुताबिक बेयर जैसी बड़ी दवा कंपनियों का मानना है कि रिसर्च और डेवलपमेंट का खर्चा निकालने के लिए पेटेंट एक अच्छा जरिया है।

शेष पेज | 4

भारतीयों के लिए...

जिसके बाद ऊंची कीमत पर दवा बेचकर सारी लागत वसूल ली जाती है। इससे वे लोग हाशिये पर चले जाते हैं जो महंगी दवा नहीं खरीद सकते।

2.50 लाख की दवा आठ हजार में : भारत ने पेटेंट अधिनियम के तहत अनिवार्य लाइसेंसिंग (सीएल) के प्रावधानों को लागू किया है। इस के तहत मार्च 20012 में हैदराबाद की नातको फार्मा को बेयर कंपनी की पेटेंट संरक्षित नेक्सावर दवा के जेनरिक वर्जन को भारत में बनाने के लिए मंजूरी दी गई।

इस से यह दवा करीब 97

48/1/14

फीसदी कम दाम पर 8,880 रुपए
में मिलने का रास्ता साफ हो गया।
नेक्सवर के 120 गोलियां के
पैकेट की कीमत 2.84 लाख रुपए
है। यह बेधक पदार्थ के लिए बड़ा
झटका था।

Copy